RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 40 अंक 49 हल्द्वानी सम्वत् 2082 सोमवार 12 मई 2025 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

जसुली बूढ़ी सोक्यानी धर्मशाला जीर्णोद्धार एवं प्रबन्धन समिति का वार्षिकोत्सव

गरमपानी से अल्मोड़ा तक जोश भर गया आयोजन

कार्यालय प्रतिनिधि

अल्मोड़ा। जसुली बूढ़ी सोक्यानी धर्मशाला एवं प्रबन्धन समिति का प्रथम वार्षिकोत्सव गरमपानी से लेकर अल्मोड़ा तक के ग्रामीणों क्षेत्रों में जोश भर चुका है। असल में महान समाजसेविका रही जसुली बूढ़ी शौक्याणी की खानीनानी, सुयालबाड़ी में प्राचीन धर्मशाला के जीर्णोद्धार के बाद समिति ने अपना प्रथम आयोजन इस स्थान पर रखा था और सभी से अपील की गई कि अपनी धरोहरों को संबारें और संभालें। अपनी बुजुर्गों की यादें, उनकी धरोहर, अपनी बोली-भाषा, अपने रीति-रिवाजों के साथ आगे बढ़ने से विकास होगा अन्यथा देवभूमि भी अपसंस्कृति की चपेट में आ सकती है।

समिति की ओर से दो दिन तक खीनापानी क्षेत्र में किये गये आयोजन में प्रथम दिन स्वच्छता अभियान के बाद धर्मशाला परिसर में परम्परागत रूप से भूमि पूजन, पितृ पूजन किया गया। रात्रि में संगीत सभा में अपनी भूमि और यादों के गीत प्रस्तुत किये गये। द्वितीय दिवस जय सिंह गर्ब्याल धामी/लामा जी अध्यक्षता में हुए समारोह का उद्घाटन अतिथियों द्वारा किया गया और फली सिंह दताल ने सभी का स्वागत करते हुए समिति के उद्देश्यों को बताया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के नेक कार्य में सभी को आगे आना चाहिये। मुख्य अतिथि नगर निगम अल्मोड़ा के मेयर अजय वर्मा ने कहा कि वह हर प्रकार से सहयोग के लिये तैयार हैं क्योंकि जनता ने जो दायित्व उन्हें सौंपा है वह किसी प्रकार की कमाई करने के लिये मेयर नहीं बने हैं। कहा मैं कलाकारों के परिवार से हूँ इसलिये भी इस प्रकार के मर्म को समझ रहा हूँ कि हमें अपनी संस्कृति को बचाने के लिये भरपूर सहयोग देना चाहिये। जसुली लला की धर्मशाला हम सबकी धरोहर है इन्हें सुरक्षित रखना होगा। हमें पितरों से मिला आशीर्वाद बचाकर रखना है। भाजपा के मण्डल अध्यक्ष गरमपानी नीरज बिष्ट ने कहा कि इस नेक कार्य को दृढ़ता के साथ आगे बढ़ाने में वह हर प्रकार से सयोग करेंगे। गंगा सिंह पांगती ने दांतू और लला जुसली का उल्लेख करने के बाद पुरानी यात्राओं की चर्चा की और कहा कि यात्राओं के

शेष पृष्ठ 2 पर

भारत के मीलपत्थर

जमीन से हमारा रक्त सम्बन्ध जोड़नेवाला एक सूक्त

सूर्यकान्त बाली

सूक्त यानी एक से अधिक मन्त्रों का एक संकलन। इस शब्द से हमारा परिचय अब काफी अच्छी तरह से हो चुका है। इसलिए अब हमारे लिए यह कोई नई सूचना नहीं रही कि ऋगवेद में एक हजार से अधिक सूक्तों का संकलन है तो अथर्ववेद में सूक्तों की संख्या सात सौ से अधिक है और उनमें क्रमशः दस हजार और पाँच हजार से अधिक मन्त्रों का संकलन है। जैय अब तक हमें यह मालूम पड़ चुका है कि हमारे सम्पूर्ण इतिहास में आर्य नामक कोई जाति कभी मानी ही नहीं गई और वैदिक मन्त्रों की रचना का प्रारम्भ भारत के पूर्वी हिस्से यानी अयोध्या और कान्यकुब्ज के आसपास हुआ, वैसे ही हमें इस बार का अहसास भी हो चुका है कि वेद या किसी भी पुस्तक को धर्मग्रन्थ के रूप में माने जाने के बजाय हम लोगों द्वारा उनको इसलिए इतना अधिक सम्मान मिला कि वेद इस देश की प्राचीनतम लिखित निधि है, जिनमें तब के श्रेष्ठतम कवियों अर्थात ऋषियों की श्रेष्ठतम कविता का अविस्मरणीय संकलन कर दिया है।

तो क्यों ने वेद के कुछ प्रसिद्धतम सूक्तों का एक हल्का सा जायजा ले लिया जाए ताकि एक तस्वीर तो बने कि दार्शनिक और सांसरिक भावभूमियों से जुड़े इन सूक्तों में ऋषियों ने किन बुलन्दियों को छुआ है? वेदों में सूक्तों की कुल संख्या दो हजार के आसपास है, जिसमें करीब बीस हजार मन्त्र संकलित है। लेकिन हम सिर्फ तीनों सूक्तों को ही (स्थान और औचित्य की सीमाएं देखते हुए) पाठकों के बीच प्रस्तुत कर देना चाहते हैं। जैसे ऋग्वेद का विभाजन मण्डलों में है, वैसे ही अथर्ववेद काण्डों में बांटा है।

अथर्ववेद के बारहवें काण्ड का पहला सूक्त है- भूमिसूक्त, जिसे विद्वान लोग कई बार पृथ्वी सूक्त भी कह दिया करते हैं। नाम से ही जाहिर है कि इसमें भूमि को लेकर कवि ने अपने उद्गार लिखे दिए हैं। उद्गारों से परिचित हों, इससे पहले दो बातें कह दी जाएं और दोनों का रिश्ता इस सूक्त की मन्त्र संख्या 12 से है, जिसमें एक वाक्य है- माता भूमिः पुत्रोहं पृथिव्याः, यानी यह भूमि मेरी माँ है और मै। इसका पुत्र हूँ। कैसे हमारी अपनी धारणा और व्याख्याएं वैदिक मन्त्रों का अर्थ करते वक्त हम पर हाबी रहती है, इसी का नमूना है ये दो बातें। जैसे पश्चिमी विद्वानों ने इस देश के लोगों का मनोबल तोड़ने के लिए अफवाहें फैला दीं कि भारत कभी एक राष्ट्र रहा ही नहीं, भारतवासियों को अपने देश के साथ राष्ट्रीयता के आधार पर कभी कोई नात रहा ही नहीं तो बजाय इसके कि दूसरी अफवाहों की तरह इन अफवाहों को भी एक कान से सुन कर दूसरे कान से निकाल देते, हमने पश्चिमी विद्वानों की कूटनीति का शिकार होकर अपना मनोबल टूटने दिया और पुराने साहित्य से उन अंशों को ढूंढने में लग गए कि जिससे हम पुराने भारत में भी वह राष्ट्रवाद दिखा सकें, जिस तरह का राजनीतिक राष्ट्रवाद आज की दुनिया में पश्चिम द्वारा रोप दिया गया है। इसके तहत हमने भूमिसूक्त के इस वाक्य (12.1.12) की भी राष्ट्रवादी व्याख्या कर दी कि यहाँ कवि ने भारत को अपनी माँ और खुद को उसका पुत्र कह दिया है और हमारे यहाँ भी आज जैसा राष्ट्रवाद काफी पुराने समय से रहा है। दूसरी व्याख्या पश्चिमी विद्वानों ने की। भारत में शव को जला देने की प्रथा है और काफी पुराने समय से चलती आ रही है। पश्चिम में शव को गाड़ने की प्रथा है। हम लोग भारत के हैं ही नहीं, कहीं बाहर से इस देश में आए और पश्चिम से यहाँ आए, इस गप्प को प्रतिष्ठित करने के घोर प्रयास में लगे पश्चिमी विद्वान यह साबित करने में लग गए कि भारत में पहले शव दफनाने की पश्चिम जैसी प्रथा थी और उसका प्रमाण है यह वाक्य- माता भूमिः पुत्रोह पृथिव्याः जिसमें मृत व्यक्ति के शव को उसी तरह पृथ्वी में सहेज देने का संकेत है, जैसे कोई पुत्र अपने को माँ की गोद में लिटा कर निश्चिंत हो जाता है।

हम यह नहीं कहते कि पुराने भारत में राष्ट्रवाद जैसी भावना भारतीयों में नहीं थी। हम यह भी नहीं कहते कि शवों को जलाने की प्रथा शुरू होने से पहले यहाँ शवों को पृथ्वी में गाड़ने की प्रथा नहीं थी। पर निदेवन यह है कि अपनी-अपनी बहुमूल्य धारणाओं की पुष्टि के लिए अत्यन्त महनीय वैदिक काव्य से क्यों

शेष पृष्ठ 5 पर

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

नैनीताल में उस्मान

उत्तराखण्ड का नैनीताल समझदार लोगों का शहर माना जाता है इन समझदारों के बीच पर्यटन नगरी के रूप में ही सारे कारोबार हैं। लेकिन यह सच्चाई खुल चुकी है कि रास्ता दिखाने का दम भरने का ढोंग रचने और गलत नीयत वाले शहर में घुममिल कर रह रहे हैं तथा कला-संस्कृति-भाईचारे-शिक्षा की बात का बहाना बनाकर अपनी हरकतों की तालीम को अन्दरखाने जारी रखे हुए हैं। किसी बिगड़ती बात को यहाँ के लोग संभालते रहे हैं लेकिन 30 अप्रैल 2025 की रात से जिस प्रकार का हंगामा सरोवर नगरी में हुआ है वह उस्मान की देन है। माना जा रहा है कि यह तो एक उस्मान है, यदि जाँच हो तो इसमें कई पकड़ में आएंगे।

दरअसल 73 वर्षीय ठेकेदार उस्मान पर एक 12 वर्षीय बालिका के शोषण का आरोप है। आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म और आपराधिक धमकी, पॉक्सो एक्ट की धारा पर मुकदमा दर्ज करने के साथ ही जाँच चल रही है। नैनीताल में बालिका के साथ धर्म विशेष के बुजुर्ग द्वारा की गई हरकत से नाराज लोगों ने उग्र प्रदर्शन किया। दो दिन तक साम्प्रदायिक तनाव की स्थिति बनी रही। सहमे हुए पर्यटक लौटने लगे। सड़कों पर उतरे हजारों के हुजूम को प्रशासन ने किसी प्रकार से समझाया। अक्लमंदी से काम लेने वाले नैनीताल में किसी को उम्मीद नहीं थी कि ऐसा भी होगा और साम्प्रदायिक दंगे के हालात बन जाएंगे। हमेशा गुलजार रहने वाली सरोवर नगरी में बाजार सहित सबकुछ बन्द हो गया। नैनीताल में उस्मान की पकड़ के बाद परतें खुलती जा रही हैं। साथ ही एक व्यक्ति की हरकत के कारण पूरे शहर को आग में झौंकने की खिलाफत भी हुई है। शासन का आश्वासन और प्रशासन का चौकन्नापन भी है। उम्मीद है दोषी को सजा और शहर में सौहार्द बना रहेगा।

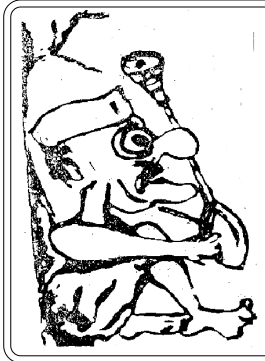

फसक

दाज्यू, चमक-दमक में पगला गये ठैरे

शहर की चिकनाहट में खुरदुरे हाथ धो रहे हैं बल

दाज्यू, विकास के नाम पर नंगा नाच बहुत हो चुका। समझ नहीं आ रहा है अभी कितना और चलेगा। वैसे बाबा पहले ही बता चुके हैं कि कलजुग में नंग घनघारे नाचेंगे। नैनीताल में उस्मान की हाय-हाय मची है। दाज्यू, दुनियावाले चमक-दमक में पगला गये ठैरे। प्रेमिका का सर धड़ से अलग करने की सूचना आग की तरह फैली तो पता चला कि नानकमत्ता की युवती को सितारगंज का टैक्सी चालक पगलुवा बना रहा था बल। अन्त में मौत के साथ कहानी समाप्त हुई।

दाज्यू, शहर की चिकनाहट में खुरदुरे हाथ धो रहे हैं बल। चम्पावत में युवक पर 6 लाख रुपये फिरौती मांगने और स्कूटी चोरी का आरोप लगा।

चम्पावत जिले के अमोड़ी का डिग्री कालेज नदी के पास बनाया गया है अब इसे बचाने के लिये सुरक्षात्मक उपाय के निर्देश दिये जा रहे हैं। दाज्यू, विकास का डंका जब बजता है तब नदी-नाले कुछ नहीं दिखाई देते हैं बल। कौन किसको खचोर रहा है बहुत देर में पता चलने वाला ठैरा। डीडीहाट के विधायक विशन सिंह चुफाल ने उनकी सम्पत्ति बढ़ने के आरोप को निराधार बताते हुए कहा- 'वर्ष 2007 में जो अचल सम्पत्ति उनके पास थी वही आज भी है।' दाज्यू, बिशन दा पुराने आदमी ठैरे, उन्हें क्या पता आजकल के विधायक सम्पत्ति कैसे बढ़ा रहे हैं। भीमताल के विधायक राम सिंह कैड़ा पर उनके ही इलाके के लोगों ने आरोपों की गट्टर लगा दिया है। समझ नहीं आ रहा है कैड़ा तो होशियार ठैरे फिर ऐसा क्या हुआ होगा?

काशीपुर में स्पा सेन्टर में बन्धक बनाकर रखी गई सात युवतियों को छुड़ाने के बाद पुलिस ने एक युवती के बयान के आधार पर स्पा सेन्टर के मालिका समेत दो के खिलाफ केस दर्ज कर जाँच शुरू कर दी है। दाज्यू, पाकिस्तान सीमा पर गनर-मनर मची हुई है। मोदी ज्यू ने जाल बिछा दिया है बल। हम भी धूनी रमाकर आर्तकियों के सफाये की कामना कर रहे हैं। -तुम्हारा भुली झकरुवा

जसुली बूढ़ी.....

प्रथम पृष्ठ का शेष

पुराने पथ और पड़ावों को सुरक्षित रखने की जरूरत है, वह हमारी जड़ें हैं। अशोक गर्ब्याल ने रं संस्था का उल्लेख करते हुए कहा कि सीमान्त के लिये इस संगठन का महत्वपूर्ण कार्य है परन्तु हम सभी ने अपने स्तर से अधिकाधिक कार्य करने चाहिये। इसी में जसुली बूढ़ी सोक्यानी धर्मशाला एवं प्रबन्धन समिति का गठन किया गया और नए-पुराने साथियों के साथ मिलकर अपनी संस्कृति के लिये एकजुट होना जरूरी है। एडवोकेट जमन सिंह बिष्ट ने लला जसुली और रेमजे कमिश्नर का उल्लेख करते हुए कहा कि उस दौर में यात्रियों के प्याऊ, रहने के लिये धर्मशालाएं, न्याय के लिये कोर्ट के स्थान तय थे। फांसी गधेरा नाम से आज भी कई जगह हैं, जहाँ ले जाकर अपराधी को पहाड़ से गिराकर मार दिया जाता था। ब्रिटिश सरकार का जो ताना बाना था लेकिन उसमें अमा जसुली जैसी समाजसेवी को सम्मान दिया गया।

राम सिंह सोनाल ने लला को अशोक सम्राट के समतुल्य बनाया और कहा जसुली ने जिस प्रकार के कार्य किये उस प्रकार से उनका नामोल्लेख नहीं है। उन्होंने कहा संस्थाएं तो पहले से भी हैं लेकिन जो समिति बनाई गई है उसका सीधा सा लक्ष्य है उन पुरानी धरोहरों को बचाया जाए। अन्य सभी ने अपनी-अपनी ओर से आगे आना चाहिये। नैनीताल जिला पर्यटन अधिकारी अतुल भण्डारी ने आयोजन पर अपार प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि अपनी संस्कृति को किस प्रकार से सम्भाला जाता है, यह देखने का उन्हें अवसर मिला। इच्छा शक्ति हो तो हर कार्य आसान हैं। उन्होंने खीनापानी स्थित धर्मशाला को लेकर शासन प्रशासन द्वारा हुए कार्य व परिकल्पना को बताया। कहा कि आज देश-दुनिया की नई पीढ़ी उन पुराने अनुभवों से गुजरना और देखना चाहती है जिसके लिये हमारे पुराने पैदल मार्ग और लला जसुली जैसी प्राचीन धर्मशाएं ही उपयोगी हैं। देव सिंह पंचपाल ने कहा कि जसुली अमा को पद्म सम्मान दिया जाए इसके लिये प्रस्ताव भेजना चाहिये। हमारे बुजुर्गों ने कितनी त्याग तपस्या से जनहित कार्य किये उन्हें भुलाया नहीं जा सकता। डॉ. ललित जोशी ने सुझाव दिया कि धर्मशाओं की मैपिंग हो ताकि पर्यटकों व यात्रियों को पता चल सके कि कितनी दूरी पर इस प्रकार की ऐतिहासिक धर्मशालाएं हैं। प्रयाग रावत ने वर्निया जनजाति का उल्लेख करते हुए कहा कि आज भी चरवाहों को कितनी परेशानी से गुजरना पड़ता है इस ओर ध्यान देना चाहिये। जब हम पुरातन संस्कृति की बात करते हैं तो हमें उन पुरानी व्यवस्थाओं को संरक्षित करना होगा। समारोह के संचालक डॉ. पंकज उप्रेती ने पर्वतीय संस्कृति में ईमानदारी की बात को रेखांकित करते हुए कहा कि यह प्रकृति के करीब है। डॉ.महिमन सिंह और डॉ. के.एस.दताल ने लला जसुली की तमाम धर्मशालाओं की मैपिंग करने के साथ ही इन्हें पर्यटक दृष्टि से विकसित करने पर जोर दिया।

खीनापानी के 88 वर्षीय रिटा. अध्यापक डीगर सिंह जीना ने अपने बचपन की स्मृतियों को बताते हुए कहा कि इस धर्मशाला में हम बच्चे लुक्का छिप्पी खेलते थे और गाड़ में बकरियां पानी पीने जाया करती थीं। कहा कि जिस अमा ने इस प्रकार की धर्मशालाएं बनाई उन्हें हमेशा याद किया जायेगा। इन्दु गनघरिया व साथियों ने झोड़ा गीत प्रस्तुत किये। इस अवसर पर जगत सिंह पंचपाल, दीपक मर्तोलिया, नारायण सिंह धर्मशक्तू,धीरज उप्रेती, विमला गर्ब्याल, संजय सीपाल, ए.एस.गर्ब्याल, खीम सिंह जीना, सुरेन्द्र सिंह पांगती, गंगा सिंह सीपाल, पुष्पा दुग्ताल, जगत सिंह पंचपाल, ममता धर्मशक्तू, सुमन दताल, तनुजा ह्यांकी, कलावती मर्तोलिया, सीता रावत, कुशाग्र नबियाल, तुलसी तितियाल, गीता रावत, हीरा मर्तोलिया, प्रकाश सिंह धर्मशक्तू, जगदीश सिंह सोनाल, निरंजी ह्यांकी गर्ब्याल, दिनेश मर्तोलिया, गोविन्दी देवी मर्तोलिया, ललित जीना, कमलेश सिंह जीना, मनोज राम, अर्जुन राम, शेर राम, जगदीश राणा, प्रकाश सिंह सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

उद्यम

चाय और कीवी ही काफी है तस्वीर बदलने को

रतन सिंह किरमोलिया

यदि सचमुच में आम लोगों का और सरकार का सम्मिलित प्रयास परवान चढ़ जाए तो उत्तराखण्ड का सम्पूर्ण पर्वत प्रदेश चाय और कीवी उत्पादन से एक आर्थिक आधार तैयार कर सकता है। बशर्ते इन्हें सही ढंग से बाजार मुहैया कराया जाए। इसके प्रसंस्करण, भण्डारण एवं विपणन की सम्यक व्यवस्था उपलब्ध हो जाए।

हमारे पहाड़ी क्षेत्र की मिट्टी चाय उत्पादन के लिए बहुत उपयोगी है। हमारे यहाँ की चाय की विदेशों में बड़ी मांग है। इसी प्रकार कीवी उत्पादन के लिये भी यहाँ की अधिकांश जगहों की मिट्टी बहुत मुफीद है। कीवी का फल स्वास्थ्य के लिए बहुत माना गया है। शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए यह रामबाण फल है। कई प्रकार के उत्पादक बनाकर इसे सालभर के लिए संरक्षित किया जा सकता है।

वर्तमान में उत्तराखण्ड के पर्वतीय क्षेत्रों का पारम्परिक व्यवसाय खेती, पशु पालन एवं बागवानी समाप्ति की कगार पर पहुँच चुका है। खेती को वन्यजीवों का नुकसान और मौसम की मार झेलनी पड़ रही है। इसलिए यहाँ के किसान खेती से मुख मोड़ रहे हैं। खेती की जमीन नित्यप्रति बंजर होते जा रही है। पशुपालन भी दम तोड़ रहा है। चूँकि खेती और पशुपालन का बड़ा गहरा अर्न्तसम्बन्ध है। यह एक दूसरे के बिना क्षीण होंगे। इन्हीं से जुड़ी होती है बागवानी। बागवानी को भी वन्यजीवों के द्वारा पहुँचाए जा रहे नुकसान की मार झेलनी पड़ रही है। इन तमाम तरह की पेरशानियों के कारण यहाँ के काश्तकारों का ध्यान और रुझान इस ओर से धीरे-धीरे हट रहा है। खेत निरन्तर बंजर होते जा रहे हैं। पशुपालन में भी कमी दिखाई दे रही है। बागवानी भी समाप्त प्राय: है परन्तु अभी का अनुभव बताता है कि चाय की खेती एवं कीबी की खेती को वन्यजीवों द्वारा नुकसान नहीं पहुँचाया जा रहा है। वन्यजीवों से खेती और बागवानी की सुरक्षा करने में सभी लाचार दिख रहे हैं। हमारे पुरखों के पास इनसे निजात पाने के पारम्परिक कारगर उपाय रहे थे। वे उनका भरपूर उपयोग अपनी खेती और बागवानी को बचाने के लिए किया भी करते थे।

इन सभी हालात के मद्देनजर यहाँ बंजर होते खेतों और अन्य बंजर भूमि में चाय और कीबी की खेती को बढ़ावा दिया जा सकता है। चाय एवं कीबी की खेती को फिलवक्त वन्यजीव कोई नुकसान पहुँचाते नहीं दिख रहे हैं। हालांकि इनके लिए भी जैविक खाद एवं भीषण गर्मी में सिंचाई की जरूरत पड़ती है।

चाय उत्पादन का जिम्मा यहाँ उत्तराखण्ड टी बोर्ड के पास है परन्तु देखने में आ रहा है कि चाय उत्पादन में कोई अपेक्षित वृद्धि एवं सुधार नहीं हो रहा है। कारण स्पष्ट है कि उत्तराखण्ड टी बोर्ड कारगर तरीके से काम नहीं कर पा रहा है। न चाय श्रमिकों को समुचित सुविधाएं ही दी जा रही हैं और न उनसे सही ढंग से काम लिया जा रहा है। उनका न्यूनतम मानदेय एवं अन्य सुविधाएं बढ़ाई जानी चाहिये। पर्वतीय क्षेत्र की भूमि चाय व कीबी उत्पादन के लिए उत्तम मानी जाती है। यहाँ की चाय अपनी विशेषताओं के लिए पहले ही काफी ख्याति अर्जित कर चुकी है। दो दशक से अधिक समय से यहाँ कई स्थानों में चाय की खेती की जा रही है। इस ओर सरकारों का ध्यान और रुझान न होने एवं टी बोर्ड की लापरवाही के कारण उत्तराखण्ड का चाय उद्योग दम तोड़ता नजर आ रहा है अन्यथा अकेले चाय की खेती ही यहाँ अच्छा रोजगार दे सकती है। इस ओर सक्रियता से ध्यान दिए जाने की जरूरत है।

पिछले एक दशक से देखा जा रहा है कि उत्तराखण्ड के पर्वतीय जिलों में जगह-जगह लोग अपने निजी प्रयासों से कीबी की खेती करने लगे हैं। प्राय: देखा गया है कि यहाँ की मिट्टी कीबी उत्पादन के लिए बहुत मुफीद है। बागेश्वर जिले के शामा क्षेत्र में बहुत अच्छी कीबी की खेती की जा रही है। अन्य क्षेत्रों में भी काश्तकार छिटपुट कीबी की खेती कर रहे हैं। यदि कीबी की खेती को बढ़ावा दिया जाए और उद्यान विभाग का तकनीकी मार्गदर्शन मिल जाए एवं मार्केटिंग की समुचित हो तो चाय के एवं कीबी की खेती भी यहाँ की आर्थिकी को चार चाँद लगाने में सक्षम सिद्ध हो सकती है। जरूरत है सरकारी ध्यान और रुझान की और काश्तकारों को उचित तकनीकी मार्गदर्शन दिए जाने की। कीबी के उत्पादकों को सम्यक तकनीकी मार्गदर्शन के साथ साथ इसके लिए प्रोसेसिंग यूनिट की स्थापना एवं मार्केटिंग की कारगर व्यवस्था करने की आवश्यकता है।

ज्योतिष की बातें- 228

14 मई 2025 को गुरु शत्रुराशि मिथुन में प्रवेश करेगा अत: गुरु निर्बल रहेगा। अभी गुरु के शुभ फलों की अधिक आशा नहीं की जा सकती। गुरु धन-समृद्धि, शालीनता, विवाह, पुत्रलाभ, उच्च शिक्षा, धर्म परायणता, अध्यात्म, संस्कृति आदि का कारक होता है। अत: अगले 155 दिन गुरु अपने कारक विषयों में वृषभ, कुम्भ, धनु, तुला और सिंह राशि के जातकों को अल्पमात्रा में ही शुभफल प्रदान करेगा।

15 मई 2025 को सूर्य अपनी उच्चराशि से निकलकर शत्रुराशि वृषभ में प्रवेश करेगा जहाँ पर शनि की तृतीय दृष्टि भी होगी। अत: सूर्य अत्यन्त निर्बल रहेगा। फिर भी अगले एक माह सूर्य स्वास्थ्य, सम्मान, सफलता आदि अपने कारक विषयों में मीन, धनु, सिंह व कर्क राशि के जातकों को अल्पमात्रा में शुभफल प्रदान करेगा।

16 मई 2025 को बुध मेष राशि में पूर्व दिशा में अस्त हो जाएगा अत: अगले 24 दिन बुध से प्राप्त होने वाले शुभाशुभ फल अल्पमात्रा में ही प्राप्त होंगे। 18 मई 2025 को राहु-केतु राशि परिवर्तन करेंगे लेकिन मध्यमान से। जब ये 29 मई 2025 को स्पष्टमान से राशि परिवर्तन करेंगे तब इनका गोचरफल प्रस्तुत किया जाएगा।

कूर्म जयन्ती- वैशाख पूर्णिमा सायं व्यापिनी तिथि में भगवान विष्णु का दूसरा अवतार कूर्मावतार हुआ था अत: सोमवार 12 मई 2025 को कूर्म जयन्ती मनाई जाएगी।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

सम्यक् विचार- 118

नेताओं की सम्वेदनशीलता

जब भी देश में कोई बड़ी दुर्घटना होती है, जैसे- एक्सीडेंट, भूकम्प, आतंकवादी घटना आदि तो तरह-तरह से हल्ला मचाया जाता है मीडिया में। कोई आतंकवादी घटना होने पर पाकिस्तान को सबक सिखाया जाएगा, आतंकवादियों को मिट्टी में मिला देंगे, गुनहगार को महाभयंकर सजा दी जाएगी, पाताल से भी ढूंढ के लाएंगे। तरह-तरह के नेता लोग अखबार में वक्तव्य देते हैं। जल समझौता रद्द कर देंगे, बार्डर सील कर देंगे, दूतावास बन्द कर देंगे, व्यापार बन्द कर देंगे, पाकिस्तान घुटनों पर आ जाएगा। तरह-तरह की धमकी दी जाती है समझौते तोड़े जाते हैं। लेकिन यह समझौते कब फिर से जुड़ जाते हैं पता ही नहीं चलता। मृतकों, घायलों के लिए सहायता राशि, निशुल्क चिकित्सा, मुआवजा आदि की घोषणा तुरन्त हो जाती है।

ऐसी घटनाओं पर नेताओं का दु:ख केवल दिखावा मात्र के लिए कुछ घण्टे का ही होता है। अगले दिन से फिर वही नेता आपस में हंसते खिलखिलाते दिखाई पड़ते हैं और उस घटना से राजनीतिक फायदा कैसे उठाया जाए इसकी योजना बनाने लगते हैं। सच तो यह है कि यह सभी नेता जनता को तो आपस में लड़ाते हैं, उत्तेजित करतें हैं, लेकिन स्वयं आपस में एक दूसरे के मित्र होते हैं। दो देशों की जनता भले ही एक दूसरे को दुश्मन समझती हो लेकिन विभिन्न देशों के राष्ट्राध्यक्ष आपस में मित्र ही होते हैं।

आजकल के नेताओं के इसी क्रूर स्वभाव को शास्त्रों में राक्षसी स्वभाव कहा गया है। इसलिए जनता को उनसे कोइ उम्मीद नहीं करनी चाहिए जैसे भी हो, अपना भला स्वयं ही करने का प्रयास करना चाहिए ।

-ओंकार नाथ कोष्टा

इस बार कनौली में होगा गेलपातल

हल्द्वानी/बागेश्वर। जोहार सांस्कृतिक वेलफेयर सोसाइटी द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून के अवसर पर इस बार का गेलपातल आयोजन बागेश्वर जिले के कनौली में करवाया जा रहा है। समिति का यह 13वां आयोजन है। इससे पूर्व घोरपट्टा, तेजम, दरकोट, मदकोट, दरांती, दुम्मर, फरसाली, धरमघर में गेलपातल आयोजन किये जा चुके हैं। होने वाले आयोजन में वृक्षारोपण के अलावा जागरूकता रैली, चित्रकला प्रतियोगिता, सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे।

45 वर्ष बाद मुनस्यारी पहुँकर अपना बचपन याद किया ग्राफिक ऐरा के चैयरमैन कमल घनसाला ने

मुनस्यारी। श्रीमती हीरा देवी भट्ट विवेकानन्द विद्या मन्दिर इण्टर कालेज मुनस्यारी में ग्राफिक ऐरा यूनीवर्सिटी के चेयरमैन डॉ. कमल घनसाला ने विद्यालय की वन्दना सभा का शुभारम्भ किया। उन्होंने विद्याभारती संस्थान के कार्यों की प्रशंसा करते हुये एक लाख रूपये की धनराशि संस्थान को प्रदान की। हाईस्कूल मैरिट लिस्ट में स्थान प्राप्त विद्यार्थी रोहित सिंह घींघा को प्रतिमाह 5000 रुपये की राशि दो वर्ष तक छात्रवृत्ति के रूप में देने की घोषणा की। कक्षा 8जी में प्रथम आने वाले विद्यार्थी को भी 2 वर्ष तक 3000 रुपये प्रतिमाह की छात्रवृत्ति देने की घोषणा की। उन्होंने कम्प्यूटर लैब को हाईटैक बनाने एवं कम्प्यूटर उपलब्ध कराने के साथ साथ प्रतियोगी परीक्षा के लिए पुस्तकालय में 200 पुस्तकें प्रदान करने की घोषणा की। ग्राफिक ऐरा में प्रवेश लेने पर यहाँ के विद्यार्थियों को विशेष छात्रवृत्ति देने की बात भी कही। उन्होंने बताया कि विद्याभारती शिक्षण संस्थान देश भर में शिक्षा के क्षेत्र में अभिनव प्रयास कर रहा है।

इस अवसर पर प्रो. दुर्गेश पन्त उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूकास्ट के महानिदेशक) विद्याभारती के पूर्व छात्र होने के कारण वन्दना सभा में उन्हें अपना बचपन याद आया। विद्यालय की वन्दनासभा की और अनुशासन की उन्होंने अत्यन्त प्रशंसा की। उन्होंने विज्ञान प्रकोष्ठ से विद्यालय को लाभ पहुँचाने एवं विज्ञान सामग्री उपलब्ध कराने का आश्वासन भी दिया। इस अवसर पर ग्राफिक ऐरा भीमताल के निदेशक कर्नल नायर भी उपस्थित रहे। उन्होंने भी विद्यालय के अनुशासन की प्रशंसा की। आर्मी पब्लिक स्कूल रानीखेत के प्रधानाचार्य कमलेश जोशी ने भी विद्यार्थियों को प्रेरणादायी उद्बोधन प्रदान किया। उन्होंने अपने बचपन की शिक्षा मुनस्यारी से ही होने की बात बतायी। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य जगत सिंह मर्तोलिया भी उपस्थित रहे। उन्होंने भी विद्यार्थियों को कठोर परिश्रम करने के लिए प्रेरित किया।

विद्यालय के प्रधानाचार्य नवीन चन्द्र शर्मा ने सभी गणमान्य जनों का विद्यालय परिवार की ओर से भव्य स्वागत किया। उन्होंने विद्यालय की उपलब्धियों से सभी आगन्तुकों को अवगत कराया कि प्रतिवर्ष खेल में राष्ट्रीय स्तर पर विद्यार्थी खेल रहे हैं। प्रदेश मैरिट लिस्ट में विद्यालय प्रतिवर्ष स्थान बनाये हुये हैं। एनसीसी की मान्यता से भी विद्यार्थी पिछले तीन वर्षों से लाभान्वित हो रहे हैं। आर्थिक सहयोग के लिए विद्यालय प्रबन्धन ने विद्याभारती परिवार की ओर से चेयरमैन डॉ. कमल घनसाला का आभार व्यक्त किया।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

चारधाम और आदि कैलास यात्रा का जोश

रुद्रप्रयाग/धारचूला। इस सत्र की चारधाम यात्रा गंगोत्री यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने के बाद से जारी है। चारधाम यात्रा की रेलपेल इस कदर है कि पूरे देश और दुनिया से श्रद्धालु दर्शन के लिये उमड़ने लगे हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि अतिथि देवो भव: की परम्परा के अनुसार हमार प्रयास है कि चारधाम यात्रा पर आने वाले सभी श्रद्धालु देवभूमि उत्तराखण्ड से दिव्य धामों के शुभाशीष के साथ ही यात्रा का सुखद अनुभव लेकर जाएं। उन्होंने ग्रीन व क्लीन चार धाम यात्रा के आयोजन के लिए सभी से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा और सुगमता को देखते हुए सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है।

इधर धारचूला में आदि कैलास यात्रा भी जोश में है। पहले ही दिन 60 से ज्यादा उत्साहित युवा यात्रा के लिये रवाना हुए। दूर-दूर से यात्रा के लिये लोग पहले धारचूला आ रहे हैं और यहीं से आदि कैलास दर्शन के लिये इनर लाइन परमिट लेकर यात्रा पर आगे जाते हैं। कबीना मंत्री सौरभ बहुगुणा ने यात्रा मार्ग बेहतर बनाने को लेकर सीएम से बात करने को कहा है। ब्लाक सभागार में स्थानीय लोगों के साथ बैठक में उन्हें यात्रियों को होने वाली दिक्कतों के बारे में बताया गया था। बैठक में राज्यमंत्री अशोक नबियाल, गिरीश जोशी, रुकुम बिष्ट, संदीप बोरा, पूर्व चैयरमैन राजेश्वरी देवी, बेला शर्मा, राधा मर्तोलिया उपस्थित थे। संचालन महेन्द्र बुदियाल ने किया।

सिराकोट मन्दिर मार्ग का चौड़ीकरण होगा

डीडीहाट। प्रसिद्ध सिरकोट मलयनाथ मन्दिर पैदल मार्ग का चौड़ीकरण होगा। नगर पालिकाध्यक्ष गिरीश चुफाल की अध्यक्षता में हुई बैठक में इस विषय पर चर्चा हुई। कहा गया कि यह क्षेत्र का मुख्य मन्दिर है और मार्ग संकरा होने से दिक्कत होती है।

गैस गोदाम स्थानांतरित करने का विरोध

रानीखेत। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने संयुक्त मजिस्ट्रेट के माध्यम से अध्यक्ष कुमाऊँ मण्डल विकास निगम नैनीताल के नाम ज्ञापन भेजकर रानीखेत एलपीजी गैस सिलेण्डर के गोदाम को अन्यत्र स्थानान्तरित न किये जाने की मांग की है। चेतावनी दी है कि यदि स्थानान्तरित किया गया तो आन्दोलन किया जायेगा।

बस अड्डे की जद में इमारत, ढहाई

रुद्रपुर। उत्तराखण्ड परिवहन निगम के रुद्रपुर डिपो के विस्तारीकरण की जद में आए मकानों पर प्रशासन ने जेसीबी चलायी। इस कार्यवाही में कब्जा धारकों के विरोध पर पुलिस ने हल्का बल प्रयोग किया। दो मंजिला इमारत भी ढहा दी गई। प्रशासन ने कहा है कि पहले ही मुनादी करवा दी गई थी।

पानी के लिये वर्षों से तड़प रहे बेरीनाग में पालिकाध्यक्ष के नेतृत्व में जबर्दस्त प्रदर्शन

बेरीनाग। पानी के लिये वर्षों से तड़प रहे बेरीनाग में इस बार पालिकाध्यक्ष के नेतृत्व में जबर्दस्त प्रदर्शन हुआ है। नगर के सातों वार्डों की सैकड़ों महिलाओं ने जुलूस निकालने के साथ ही तहसील परिसर पर धरना दिया।

चैयरमैन हेमवती पन्त के साथ प्रदर्शन के लिये सड़क पर उतरी महिलाओं का कहना था कि विभागीय अधिकारियों को कई बार सूचना देने के बावजूद उनकी पेयजल समस्या पर कोई सुनवाई नहीं हो रही है। धरना दे रहे लोगों को तहसीलदार देवांश ने आश्वासन दिया कि उनकी समस्या दूर की जाएगी। इस पर प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यदि शीघ्र उनकी समस्या का समाधान नहीं हुआ तो तालाबन्दी के साथ ही विधायक का घेराव किया जायेगा।

बताते चलें कि सुरम्य नगरी बेरीनाग में पेयजल समस्या वर्षों से बनी हुई है। लोग किसी प्रकार हैण्डपम्प व दूरस्थ स्रोतों से पानी का इन्तजाम कर रहे हैं। इस बीच निगम पंचायत से नगर पालिका जैसा विकास हो गया लेकिन पेयजल समस्या और भी ज्यादा गहराती चली गई। प्रदर्शन करने वालों में पूर्व पालिकाध्यक्ष हेम पन्त व सभी सभासद मौजूद थे।

जाम से पस्त है दन्या, कारोबार प्रभावित

जी.एस. रावत

अल्मोड़ा। पर्यटन सीजन में प्रमुख स्टेशन दन्या जाम से पस्त है और कारोबार भी प्रभावित है। अल्मोड़ा-पिथौरागढ़ हाईवे पर दन्या पुराने समय से ही पहाड़ का मुख्य स्टेशन है और भोजन के लिये यात्री वाहन यहां रुकना पसन्द करते हैं। दन्या के पराठों की चर्चा दूर तक होती रहती है लेकिन समय बदला और अब बेसुमार होटल के साथ वाहनों के रुकने के अड्डे भी बदल चुके हैं लेकिन दन्या में रुकने का रिवाज आज भी। वाहनों की भरमार और निजी वाहनों की भीड़ के कारण हाईवे के बीच इस कस्बे में आये दिन जाम से लोग परेशान हो चुके हैं। जाम से पस्त दन्या में स्थानीय कारोबार भी प्रभावित होता है। दूर-दराज ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले लोगों को जाम में घिरना पड़ता है, स्कूल के बच्चों को भी परेशानी होती है। सड़क किनारे वाहन खड़े करने से स्थिति बहुत खराब है। जाम से बने हालातों को अभी तो पुलिस जैसे-तैसे ठीक कर रही है। इसके लिये जरूरी हो गया है कि पार्किंग की व्यवस्था अभी से की जाए ताकि भविष्य में वाहनों के बढ़ते दबाव का असर दन्या में न हो और सभी को सुविधा मिले।

डीडीहाट में ई-रक्शा सुविधा होगी

डीडीहाट। नगर पालिका कार्यालय में हुई बैठक में तय किया गया कि नगर क्षेत्र में ई-रिक्शा संचालन किया जायेगा। इसके लिये पहले ट्रायल किया जायेगा, यदि इसमें सफल होते हैं तो नगर क्षेत्र में ई-रिक्शा की सुविधा होगी।

पालिका चैयरमैन गिरीश चुफाल की अध्यक्षता में हुई बैठक में कई अहम प्रस्ताव पारित किये गये। सभासद दीपेश जंगपांगी ने पिथौरागढ़ नगर की तर्ज पर डीडीहाट में एक आधुनिक सुविधाओं से युक्त पिंक टायलेट बनाने का प्रस्ताव रखा। इसी प्रकार नगर में इलेक्ट्रानिक वाहनों के लिए चार्जिंग प्वाइंट बनोन का प्रस्ताव भी पास किया गया। बैठक में आपदा काल का बजट अलग से पारित करने, गीले कचरे का अलग से निस्तारण करने का निर्णय लिया गया। सप्ताह मे एक दिन स्वच्छता अभियान की बात भी कही।

प्रशासन-नगरनिगम का संयुक्त अभियान

हल्द्वानी। प्रशासन और नगर निगम का संयुक्त अभियान जारी है जिसके तहत बनभूलपुरा में लगातार छापेमारी व भूमि सम्बन्धी मामलों पर कार्रवाई हो रही है। इसमें अतिक्रमण हटाने के साथ ही अवैध रूप से चलाये जा रहे कारोबार पर सख्ती हुई है।

लाइन नम्बर 2 स्थित बकरा मीट मार्केट के पास गली को बन्द कर दिया गया था, जिसे खोल दिया गया है। लाइन नम्बर 13 में भैंसों का तबेला बनाया गया था, उसे खाली करवाया जा चुका है। राजपुरा में नजाकत खान के बगीचे में लगभग 3 हजार स्क्वायर फीट भूमि को प्रशासन ने अपने कब्जे में ले लिया। टनकपुर रोड स्थित नगर निगम के बकरा स्लॉटर में हुए अतिक्रमण को हटाकर घायल खच्चरों को नगर निगम ने अपने कब्जे में लिया। राजपुरा में भी नगर निगम व प्रशासन की टीम ने गोशाला के निकट ढाई सौ वर्ग मीटर भूमि से अवैध कब्जे हटाकर सरकारी कब्जा लिया। कार्रवाई से हड़कम्प मचा हुआ है।

गंगोलीहाट सीएचसी की बदहाली जारी

गंगोलीहाट। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गंगोलीहाट की बदहाली जारी है। बार बार कहने के बाद भी यहाँ चिकित्सकों से लेकर कर्मचारियों का टोटा बना हुआ है। इस बड़े क्षेत्र के सैकड़ों लोग इस स्वास्थ्य केन्द्र के भरोसे हैं लेकिन स्टाफ की कमी से उन्हें परेशान होना पड़ रहा है। यहाँ तैनात डाक्टर अपनी ओर से प्रयास कर रहे हैं लेकिन मरीजों की संख्या देखते हुए रिक्त पदों पर डाक्टरों का होना बेहद जरूरी है। क्योंकि पर्याप्त सुविधा न मिल पाने के कारण मरीजों की लम्बी लाइन रहती है। बताया जा रहा है कि सात चिकित्सक एकसाथ पीजी करने गए जिनके बदले मात्र तीन डाक्टर तैनात हैं। नेत्र, स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ, बाल रोग विशेषज्ञ, अस्थि रोक विशेषज्ञ, निश्चेतक, एक्स रे, डार्क रूम सहायक, हाइजिनिस्ट, वार्ड ब्वाय, तीन नर्सिंग अधिकारी के पद रिक्त होने से सीएचसी की व्यवस्था चरमराई हुई है।

चर्चा में है नगर पालिका टनकपुर

टनकपुर। नगर पालिका परिषद टनकपुर बेहद चर्चा में है। मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय के पास ही पालिका का कार्यालय है लेकिन जिस प्रकार से चैयरमैन और ईओ के बीच सीत खेल की बात कही जा रही है वह सोचनीय है। आरक्षित होने के बाद इस बार विपिन कुमार फिर से पालिका चैयरमैन बने हैं लेकिन ईओ भूपेन्द्र जोशी अपनी बात व्यवहार से सबके चहेते हैं। चैयरमैन और ईओ के बीच कितनी लाग-लपेट या मधुरता है यह तो वही जानत हैं लेकिन पालिका के कार्य प्रभावित न हों इस बात की चिन्ता आम जनता करने लगी है। इस बीच सभासदों ने पालिका बोर्ड की बैठक को लेकर चैयरमैन और ईओ को पत्र भेजा है। कहा है कि वर्तमान बोर्ड का गठन सात फरवरी 2025 को हो चुका है लेकिन इतने समय बाद भी नगर के विकास के लिये कोई भी कार्य शुरू नहीं हुए हैं। सभासदों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि जनहित को ध्यान में रखते हुए जल्द बोर्ड बैठक बुलाई जाए ताकि विभिन्न मुद्दों पर आवश्यक कार्य हों।

गोचर में जाम लगने पर पुलिस की सख्ती

गोचर। पालिका क्षेत्र गोचर में लग रहे जाम से निजात के लिये पुलिस ने सख्ती की है। पुलिस व नगर पालिका ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर अव्यवस्थित खड़े वाहनों के खिलाफ सख्ती दिखाई है। पालिका बाजार क्षेत्र जाम से व्यवसाय भी प्रभावित हो रहा है। पुलिस ने अभी तक कई वाहनों के चालान भी किये हैं।

रुद्रपुर नगर में भी पुलिस की खख्ती

रुद्रप्रयाग। यात्रा सीजन को देखते हुए मुख्य शहर रुद्रप्रयाग में भी पुलिस ने सख्ती दिखाई है। नगर क्षेत्र में खड़े वाहनों को हटाने के लिये बार-बार कहा जा रहा है। सड़क किनारे गलत तरीके से खड़े वाहनों का चालान किया जा रहा है। जिला मुख्यालय के मुख्य बाजार व अन्य स्थानों में चैकिंग अभियान भी साथ-साथ चलाया जा रहा है। कोतवाल मनोज नेगी के नेतृत्व में दुपहिया वाहनों का चालान सहित अनावश्यक जगह घेर खड़े वाहनों को हटाया गया।

परिक्रमा

लोहाघाट संघर्ष समिति का धरना

लोहाघाट। नगर में पेयजल समस्या को लेकर संघर्ष समिति ने धरना दिया। शासन प्रशासन से सरयू लिफ्ट पेयजल योजना के निर्माण और नगर में पानी की वैकल्पिक व्यवस्था की मांग को लेकर कोलीढेक की महिलाओं सहित अन्य ने धरना स्थल पर समर्थन दिया।

जंगल के किनारे से बनाई जाएगी रिंगरोड

हल्द्वानी। कालाढूंगी विधायक बंशीधर भगत ने लामाचौड़ से रामपुर रोड को जोड़ने के लिए फोन लेन पेरीफरल रिंग रोड का विभागीय अधिकारियों के साथ सर्वे किया। जंगल के बीचोंबीच से रोड बनाने पर वन विभाग की भूमि पर अतिक्रमण व वन्य जीवों को होने वाली परेशानी को देखते हुए भाखड़ा पुल लामाचौड़ से जंगल के किनारे होते हुए बेलबाबा मन्दिर रामपुर रोड तक रिंग रोड बनाने की सहमति बनाकर प्रस्ताव शासन को भेजा गया।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

कांग्रेस संविधान बचाओ रैली के साथ तीखी बनी

2027के चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं में जोश भरा जा रहा है

देहरादून/हल्द्वानी। प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से संविधान बचाओ रैली के दिन से 2027 के चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं में जोश भरा जा रहा है। कांग्रेस एकदम तीखी बनी हुई है। पूर्व मुख्यमंत्री हरशी रावत ने साफ कर दिया है कि वह मुख्यमंत्री के रूप में अपने को घोषित नहीं कर रहे हैं। ऐसे में पार्टी के अन्य नेताओं से भी कहा जा रहा है कि वह किसी भी हाल में सत्ता में आने के लिये जोर लगाएं।

लगातार सत्ता से दूर रहने के बाद कांग्रेस की छटपटाहट बहुत ज्यादा है और वह मान रही है कि जनता भाजपा के लगातार शासन से थक चुकी है। पार्टी के छोटे-बड़े नेता भाजपा पर निशाना साध रहे हैं कि विकास के नाम पर जनता को दु:ख दिया जा रहा है।

दून के रेंजर्स ग्राउण्ड में संविधान बचाओ रैली में जिस हिसाब से कांग्रेसियों की भीड़ जुटी उसे देख पार्टी का तीखापन साफ दिखने लगा है। रैली को मुख्य अतिथि राजस्थान के पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने सम्बोधित करते हुए आगामी 2027 के चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं में जोश भरा। रैली में पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सिंह और गणेश गोदियाल समेत सभी वरिष्ठ नेताओं ने अपने विचार रखे और 2027 के चुनाव के लिये अभी से तैयारी करने को कहा।

जमीन से हमारा...

प्रथम पृष्ठ का शेष

खिलवाड़ करना हुआ? मसलन इसी वाक्य को समेटने वाला पूरा मन्त्र पढ़ें तो उसका अर्थ जानने के बाद कितना दुख होता है कि भूमि को माँ मानने वाले कवि की सहज भावनाओं को कैसे अपनी अवधारणाओं के दुराग्रह की चोट हमने पहुँचा दी है। मन्त्र (12.1.12) है- 'यत ते मध्यं पृथिवि यच्च नभ्यं, यास्तु ऊर्जस्तन्व: संबभूवु:, तासु तो धेहयभि न: पवस्व, माता भूमि: पुत्रोहं पृथिव्या:, पर्जन्य: पिता स उ न: पिपर्तु।' यानी हे पृथ्वी, यह जो तुम्हारा मध्यभाग है और जो उभरा हुआ ऊर्ध्वभाग है, ये जो तुम्हारे शरीर के विभिन्न अंग ऊर्जा से भरे हैं, हे पृथ्वी माँ, तुम मुझे अपने उसी शरीर में संजो लो और दुलारो कि मैं तो तुम्हारे पुत्र के जैसा हूँ, तुम मेरी माँ हो और पर्जन्य का हम पर पिता के जैसा साया बना रहे।

इस तरह के सम्वेदना से भरे हुए उद्गारों को पढ़ते जाइए तो लगता है कि कवि को यह भूमि पहाड़ों और नदियों का कोई भौगोलिक पिण्ड नजर नहीं आ रही, बल्कि उसके पृथ्वी से अपना खून का रिश्ता जोड़ लिया है, क्योंकि भूमि ने इतना कुछ दिया है, पाल-पोस कर बड़ा कर दिया है। एक मन्त्र (12.1.16) क्यों न पढ़ लिया जाए, जिसमें कवि पृथ्वी के प्रति इसलिए कृतज्ञता से भरा है क्योंकि अपने भीतर समाए धन और अपनी छाती पर उगे धान्य से उसने कवि को समृद्ध कर दिया है, रईस बना दिया है- 'विश्वंभरा वशुधानी प्रतिष्ठा, हिरण्यवक्षा जगतो निवेशनी, वैश्वानरं विभ्रती भूमिरग्निम, इन्द्र ऋषभा द्रविणंनो दधातु' अर्थात पूरी दुनिया का भरण-पोषण करने वाली यह पृथ्वी वसु (धन) की खानें अपने में धारण किए हैं, इसकी छाती (वक्ष) सोने की है, सारा जगत उसमें समाया है, सारे संसाद की भूख मिटाती है, हमारी कामना है कि यह हमें समृद्धि में नहलाए रखे।

खेती और खानों से मिलने वाली समृद्धि से अभिभूत कवि इस बात से भी चकाचौंध है कि कैसे इस दिन-रात पानी की प्रभूत धाराएं बिना किसी प्रसाद के लगातार बहती रह कर उसे बर्चस्व से सम्पन्न कर रही हैं (12.1.19)- यस्यामाप: सा नो भूमिभूरिधरा पयोदुहा अथो उक्षतु वर्चसा।'

सुक्त में ऋषि ने सचमुच भूमि के साथ माँ का नाता जोड़ लिया है और उससे वैसे ही दूध की कामना कर रहा है जैसे कोई शिशु पुत्र अपनी माँ से दूध की कामना करता है- सा नो भूमिर्विसृजतां माता पुत्राय में पय: (12.1.10), यानी वह भूमि मेरे लिए वैसी ही दूध (पय:) प्रवाहित करे, जैसे माँ अपने बेटे के लिए करती है, पर वह भूमि माँ है कैसी?

कवि उसकी दिव्यता से अभिभूत है और कल्पना करता है, उसी मन्त्र 12.1.10 में, कि यह पृथ्वी है, जिस पर अश्विनी कुमारों ने अपना रथ चलया था, जिसे विष्णु ने अपने कदमों से लांघा था, जिसे इन्द्र ने अपने लिए शत्रुविहीन कर दिया था, वह मेरी माँ मेरे लिए अपने शिशु की तरह दूध प्रवाहित करे।

कवि चाहता तो पृथ्वी की अन्न देने वाली, जल देने वाली कह कर रुक जाता पर उसने उसमें माँ के दर्शन किए, उसमें दिव्यता के दर्शन किए और उसे अपने और पूर्वजों के इतिहास से भी जोड़ दिया। मन्त्र संख्या 12.1.24 में कवि ने बड़ी ही मजेदार बात कही है कि भूमि की गंध को कमलों ने अपने में तो संजो ही लिया, उस गंध को सूर्या के विवाह में भी बिखेरा गया। (यस्ते गंध: पुष्प्माविवेशश यं संजधु सूर्याया विवाहे)। अगले ही सप्ताह हम देखेंगे कि कैसे सूर्या का विवाह हमारे राम परवर्ती और महाभारत पूर्ववर्ती इतिहास में अद्भुत सामाजिक घटना थी, जो या तो 'भूमिसूक्त' के समकालीन या फिर थोड़ा ही पहले घटी थी। मन्त्र संख्या 12.1.38 में कवि ने पृथ्वी पर होने वाले यज्ञों की बात कही है तो इस बात को भी रिकार्ड कर दिया है कि इन यज्ञों में विद्वान लोग ऋचाओं, यजुषों व सोमो से हवि डालते हैं और यही वह पृथ्वी है, जहाँ भूतकाल में ऋषियों ने अनेक प्रकार का काव्य लिखा है- 'यस्यां पूर्वे भूतकृत ऋषयो मा उदानृचृ' (12.1.39)।

पृथ्वी को देख कर कवि इस कदर मुखर और वाचाल हो गया है कि वह सब कुछ लिख देना चाहता है, जो भी उस पृथ्वी पर नजर आता है या वह उसके बारे में सोचता है। फटाफट एक विहंगावलोकन कर लिया जाए। इसी पृथ्वी पर समुद्र है, नदियां हैं और जल है (यस्या समुद्र उत सिंधुरापो: 12.1.2), इसी पृथ्वी पर पत्थरों और हिमवाले पहाड़ हैं और जंगल फैले हैं (गिरयस्ते पर्वत हिमवन्तोरण्यं ते: 12.1.11), इसी जमीन पर मनुष्य और पशु विचरण करते हैं (मर्त्यास्त्वं विभर्षि द्विपदधतुष्पद: 12.1.12), यही भूमि तमाम औषधियों की जननी है (विश्वस्वं मातरमोषधीनाम: 12.1.17), जिसकी गंध को गन्धर्व और अप्सराएं सूंघते नहीं अघाते (यं गन्धर्वा अप्सरसश्व भेजिरे तेन या सुरभि कृपु: 12.1.23), इसी पर सभी वृक्ष और वनस्पतियां अपनी जड़ें टिकाए हैं (यस्यां वृक्षा वानस्पत्या धृवास्तिष्ठन्ति: 12.1.27) और इसी पर हैं शिलाएं पत्थर और मिट्टी (शिला भूमि रश्मा पांसु: सा भूमि: संध्रता धृता: 12.1.26)। पर इसी भूमि को, भूमि मां को अपने फायदों के लिए खोदना पड़ता है तो कारुणिक कवि प्रार्थना करता है कि वह तो करना ही पड़ेगा, पर हे भूमि, उससे तुम्हारे धर्म स्थलों और हृदय की पीड़ा न पहुंचे- यत ते भूमे विखनामि, क्षिप्रां तदपि रोहतु, मा ते मर्म विमृग्वरि, मा ते हृदयांर्पपुम (12.1.35)।

कवि के उद्गारों की तीव्रता, अनुभूति और अभिव्यक्ति इन दोनों स्तरों की तीव्रता देख कर तो लगता है कि वह अपने भूमि वर्णन में कभी रुकगा ही नहीं। पर ऐसा चूंकि सम्भव नहीं था, इसलिए 63 मन्त्रों का लम्बा रंग बिरंगा और भावप्रवण सूक्त लिख कर कवि थम जाता है, पर 63 मन्त्रों के इस वृहत्तर सूक्त में कम से कम तीन स्थानों पर सूक्तकार ने उस सत्य को खोजने का प्रयास किया है, जिसके कारण यह भूमि टिकी है और जिस कारण वह इसमें माँ के दर्शन कर रहा है। सूक्त के पहले ही मन्त्र (12.1.1) में वह कहता है कि सत्य, दीक्षा, तप, ब्रह्मा और यज्ञ ने इस पृथ्वी को टिका रखा है- सत्यं बृहदप्रं दीक्षा तपो ब्रह्म यज्ञ: पृथिवी धारयन्ति'। आठवें मन्त्र में कवि फिर कहता है कि पृथ्वी का हृइय सत्य से ओतप्रोत है- यस्या हृद परमे व्योमन सत्येनावृतं अमृतं पृथिव्या:। मन्त्र 12.1.17 में कवि कहता है- इस पृथ्वी को धर्म ने धारण कर रखा है- भूमि पृथिवी धर्मणा धृतामा।' पृथ्वी को भौतिकता और अतिभौमिकता के साथ इस कदर जोड़ता हुआ कवि अन्त तक उसके माँ रूप को नहीं भूल पाता और इस भावचित्रण के साथ सूक्त समाप्त करता है कि हे भूमि माँ, मुझे अपने समस्त कल्याणभाव से हमेशा जोड़े रहना- 'भूमे मातर्नि धेहि मा भद्रया सुप्रतिष्ठितम।' आज से करीब पाँच-सवा पाँच हजार वर्ष पूर्व, अर्थात महाभारत के आसपास लिखे गए इस सूक्त को अगर वेदों के दर्जनभर श्रेष्ठतम सूक्तों में यह शीर्ष जगह मिली हो तो हैरानी क्या?

(साभार- नवभारत टाइम्स)

Enjoy Beauty of
Himalaya at
MARTOLIA LODGE
Family Guest House- Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287

घर से बाहर अपनों का साथ
होटल लक्ष्य इन
मदकोट सम्पर्क
नरेन्द्र सिंह रावत 7351285555

कपूर एण्ड संस
संजय कलोनी, मुखानी हल्द्वानी
कपूर इण्टरप्राईजेज
निकट मंगलम बैंकट हॉल, देवलचौड़
रामपुर रोड, कैंची धाम मार्ग हल्द्वानी
9997712279 9837824462

जंगपांगी जनरल स्टोर
मदकोट रोड,
दरांती मनुस्यारी
(सीमेन्ट, पेण्ट, हार्डवेयर सामग्री के लिये सुलभ स्थान)
मो.- 9760342346

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर
मो.न.
8958525979,
9411134775
नानासेम, मुनस्यारी
फोन सम्पर्क-
गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स 05961-222236
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

उस्मान की हरकत नैनीताल को झकझोर गई है

सूझबूझ वाले शहर का उबाल अब चारों ओर है

नैनीताल। लगातार सांस्कृतिक उत्सव, साहित्य गतिविधियों, सुलझे हुए लोगों की बैठकों और पर्यटकों की चकाचौंध की सूचनाओं से तर सरोवर नगरी में उस्मान नाम के ठेकेदार द्वारा 12 साल की बालिका के साथ दुष्कर्म की बड़ी सूचना ने आग लगा दी। आरोप है उसने बालिका को अपने गैराज में ले जाकर दुष्कर्म किया। बालिका की माँ ने रिपोर्ट दर्ज करते हुए बताया कि ठेकेदार उस्मान की दो शादियां हैं, पहली शादी से दो बच्चियां हैं जो निजी स्कूल में पढ़ती हैं। दूसरी शादी यूपी के संभल जिले में हुई है। पिछले कुछ दिनों से वह संभल में ही थी। उसकी छोटी बेटी को उस्मान ने बहलाकर अपने गैराज में पहुँचा दिया और दुष्कर्म किया। इस हरकत की सूचना आग की तरह फैली और नैनीताल में तोड़फोड़ होने लगी थी। हंगामे के बीच वह लोग भी सामने आए जो साम्प्रदायिक बातें न करने को कह रहे थे और पीड़िता को न्याय के लिये एकजुट की बात कर रहे थे। बहुत बबंडर के बाद नैनीताल में किसी भी प्रकार साम्प्रदायिक हिंसा भड़कने से रुक चुकी है लेकिन सूझबूझ वाले शहर का उबाल अब चारों ओर है। उग्र भीड़ ने भवाली, भीमताल तमाम जगह प्रदर्शन किया। पुलिस ने नैनीताल बढ़ रही भीड़ को रास्ते में ही रोका। पकड़े गये आरोपी उस्मान को हल्द्वानी कोर्ट में लाते समय भी भारी भीड़ ने प्रदर्शन किया और अधिवक्ताओं ने भी विरोध करते हुए उसे मारने दौड़े। भारी पुलिस बल के बीच उस्मान को 14 दिन के लिये जेल भेज दिया गया। पूरे मामले में जाँच के अलावा अन्य परतें भी खुलेंगी लेकिन इस पूरे माहौल में यह तो साफ हो ही गया कि उस्मान की आड़ में लड़ने-भिड़ने वाले तैयार हैं। इन्हीं सम्भावनाओं को देखते हुए प्रशासन और पुलिस ने सख्त ऐलान किया है और अफवाह न फैलाने की अपील भी की है।

नैनीताल में यह सब अचानक नहीं हुआ है। ठेकेदार उस्मान की हिम्मत एकाएक नहीं बड़ी है। बताया जाता है कि उसने पालिका और वन विभाग की भूमि पर मकान बनाया है। यह भी कहा जा रहा है कि इसके पीछे अन्य लोग भी हो सकते हैं। इस प्रकार के सारे आरोपों के साथ हिन्दूवादी नेताओं, चित्रगुप्ताचार्य पीठाधीश्वर डॉ. सच्चिदानन्द ने नैनीताल में जबर्दस्त प्रदर्शन किया। माहौल को देखते हुए पुलिस का फ्लैग मार्च सहित कमिश्नर का सन्देश जारी किया गया। सीएम पुष्कर धामी ने पीड़िता की माता जी से बात करते हुए भरोसा दिलाया कि न्याय व सुरक्षा मिलेगी।

कुल मिलाकर उस्मान को लेकर चारों ओर गुस्सा है लेकिन उसकी गलती की सजा शहर को न मिले इसको लेकर बुद्धिजीवियों ने आवाज उठाई है। सभी से साम्प्रदायिक दंगों से बचने की अपील की जा रही है।

देवभूमि के यात्रा सीजन पर
हार्दिक शुभकानाओं
के साथ-
देवेन्द्र सिंह धर्मशक्तू
सेनि.आरएमओ
जोहार नगर, हल्द्वानी

प्रेम सिंह जंगपांगी
सुरभि कालोनी,
मल्ली बमोरी
हल्द्वानी

न तेरा न मेरा Thats
APNA GHAR चौकोड़ी
HOTEL RESTRO BANQUET
मो.- 9458920379, 6396098804
YOGA MEDITATION | LIVE MUSIC | HOMELY FOOD | BIRTHDAY WEDDING
Near by- (माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)
पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

रामकुमारी
अग्रवाल सरस्वती
विद्या मन्दिर
इण्टर कालेज
खटीमा
(उ.सिं.न.)

Hotel
Bala Paradise
Tiksain, Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

धमोत
होम स्टे
धरमघर/चकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग, माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
www.mountainheights.in
मो. 9760007148

Hayat Paradise
Bus Station
Munsiari
Ph. 09411556700, 9997733070

Enjoy Beauty of
Himalaya at
MARTOLIA LODGE
Family Guest House-
Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From
Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।

सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती फोन/मोबाइल 9458961490, 9411770280, 9411301014,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website- www.pighaltahimalay.com

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)